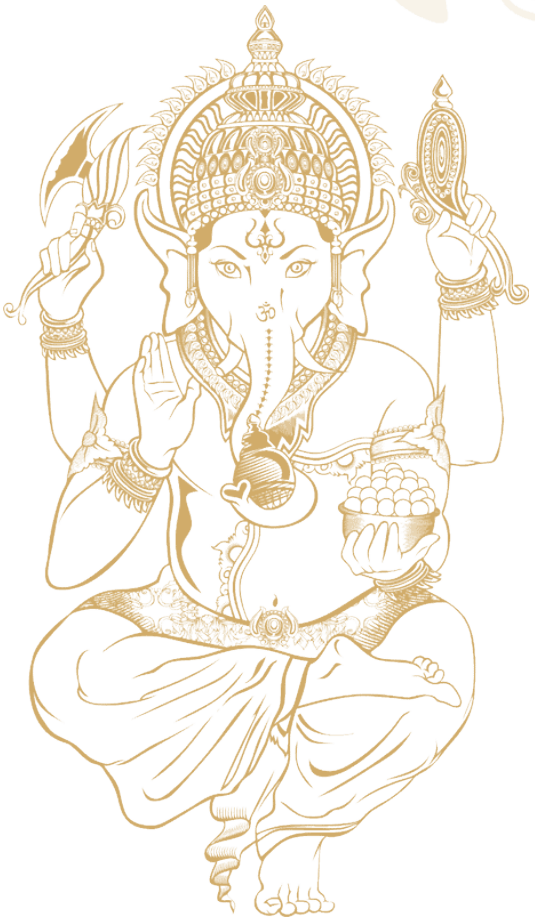

K

30 Dec 1958

11:56 AM

Hamirpur

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/12/1958**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:56:00 घंटे**
इष्ट	11:22:59 घटी
स्थान	**Hamirpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:38:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:32:24 घंटे
वेलान्तर	-00:02:19 घंटे
साम्पातिक काल	18:05:10 घंटे
सूर्योदय	07:22:48 घंटे
सूर्यास्त	17:29:04 घंटे
दिनमान	10:06:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:46:06 धनु
लग्न के अंश	08:38:12 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	08:38:12	536:37:19	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			धनु	14:46:06	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	04:19:53	13:27:54	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	23:55:13	00:07:21	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	22:26:26	01:02:40	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	00:21:59	00:11:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	26:34:39	01:15:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि		अ	धनु	05:58:50	00:07:02	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	25:09:34	00:06:42	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:09:34	00:06:42	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		कर्क	22:26:32	00:01:54	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	---
नेप			तुला	13:14:26	00:01:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		सिंह	10:48:22	00:00:42	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			धनु	07:54:01	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:17:09

लग्न-चलित

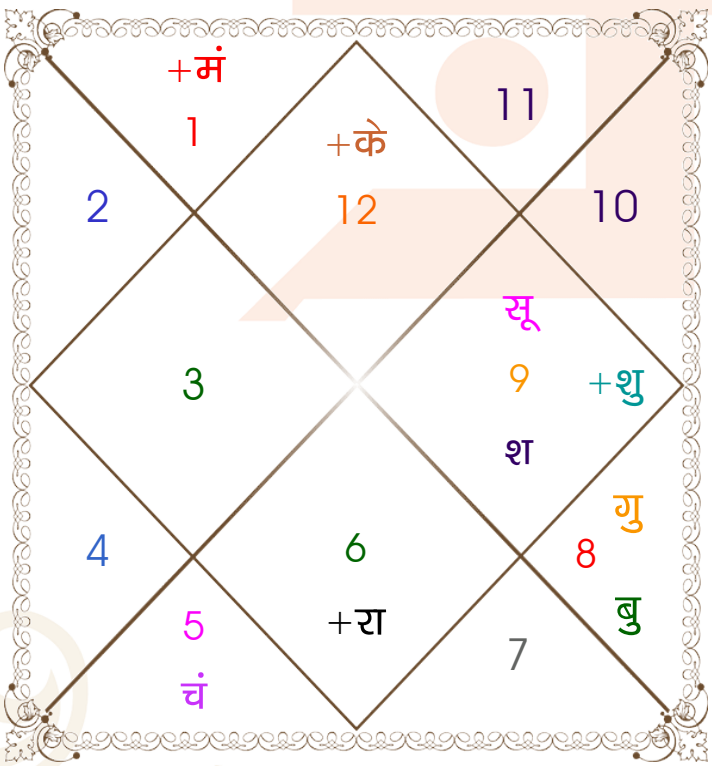

चन्द्र कुंडली

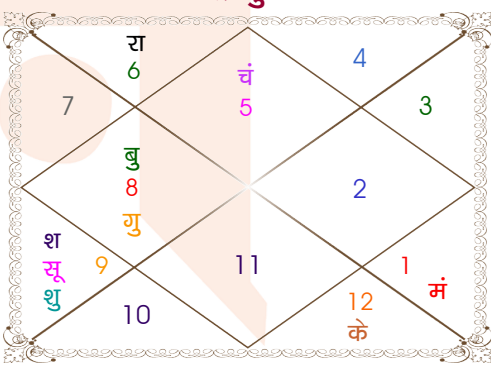

नवमांश कुंडली

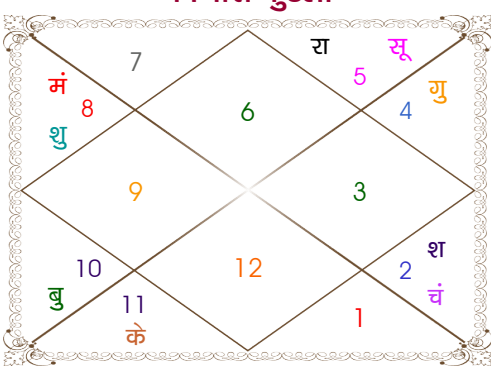

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 8 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/12/1958		21/09/1963		21/09/1983		21/09/1989		21/09/1999	
21/09/1963		21/09/1983		21/09/1989		21/09/1999		21/09/2006	
	00/00/0000	शुक्र	21/01/1967	सूर्य	09/01/1984	चंद्र	22/07/1990	मंगल	17/02/2000
	00/00/0000	सूर्य	21/01/1968	चंद्र	09/07/1984	मंगल	20/02/1991	राहु	07/03/2001
	30/12/1958	चंद्र	21/09/1969	मंगल	14/11/1984	राहु	21/08/1992	गुरु	11/02/2002
चंद्र	26/03/1959	मंगल	21/11/1970	राहु	09/10/1985	गुरु	21/12/1993	शनि	23/03/2003
मंगल	22/08/1959	राहु	21/11/1973	गुरु	28/07/1986	शनि	22/07/1995	बुध	19/03/2004
राहु	08/09/1960	गुरु	22/07/1976	शनि	10/07/1987	बुध	21/12/1996	केतु	15/08/2004
गुरु	15/08/1961	शनि	21/09/1979	बुध	16/05/1988	केतु	22/07/1997	शुक्र	15/10/2005
शनि	24/09/1962	बुध	22/07/1982	केतु	20/09/1988	शुक्र	23/03/1999	सूर्य	20/02/2006
बुध	21/09/1963	केतु	21/09/1983	शुक्र	21/09/1989	सूर्य	21/09/1999	चंद्र	21/09/2006

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/09/2006		20/09/2024		20/09/2040		21/09/2059		20/09/2076	
20/09/2024		20/09/2040		21/09/2059		20/09/2076		00/00/0000	
राहु	03/06/2009	गुरु	09/11/2026	शनि	24/09/2043	बुध	17/02/2062	केतु	17/02/2077
गुरु	28/10/2011	शनि	22/05/2029	बुध	03/06/2046	केतु	14/02/2063	शुक्र	19/04/2078
शनि	03/09/2014	बुध	28/08/2031	केतु	13/07/2047	शुक्र	15/12/2065	सूर्य	25/08/2078
बुध	22/03/2017	केतु	03/08/2032	शुक्र	12/09/2050	सूर्य	21/10/2066	चंद्र	30/12/2078
केतु	10/04/2018	शुक्र	04/04/2035	सूर्य	25/08/2051	चंद्र	22/03/2068		00/00/0000
शुक्र	09/04/2021	सूर्य	21/01/2036	चंद्र	25/03/2053	मंगल	19/03/2069		00/00/0000
सूर्य	04/03/2022	चंद्र	22/05/2037	मंगल	04/05/2054	राहु	06/10/2071		00/00/0000
चंद्र	03/09/2023	मंगल	28/04/2038	राहु	10/03/2057	गुरु	11/01/2074		00/00/0000
मंगल	20/09/2024	राहु	20/09/2040	गुरु	21/09/2059	शनि	20/09/2076		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 8 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।